PK UNIVERSITY

NEWS LETTER (Vol.-2, Issue-2)
(January – March 2025)

About PK University

P.K. University has been established keeping in view the foregoing are growing emphasis on global competitiveness, the need to bridge the gap between theory and practice and the growing demand for highly skilled personnel in the frontier areas of Management, Engineering and Technology, medicine, Architecture, Information Technology and Computing, Paramedical and Pharmacy, Insurance, Bio-sciences, fashion, Law, Hospitality and Tourism and other fields of education, the Sonal Educational Society proposes to establish as University in Shivpuri (M.P) entitled P.K. University encompassing all the major disciplines the majority of the courses will be innovative, practice oriented, flexible, modular and ensure that the students acquire the necessary skills and knowledge for successful careers. The University will establish a close liaison with the productive sector, broaden the mental horizons of its student and provide a stimulating place through study, stay and learn. This will meet the growing needs of the students of not only Madhya Pradesh but also India and abroad too. Since all the courses to be offered by P.K. University are going to be innovative and highly practical oriented this will go a long way in fulfilling the aspiration of student and parents at Utter Pradesh and adjoining area.

April-2025

पी.के. विश्वविद्यालय में टेक-फेस्ट 2025 आयोजित

दिनांक 5 अप्रैल 2025 को, पी० के० विश्वविद्यालय (पी.के.यू.) में समस्त विभागों द्वारा टेक-फेस्ट 2025 का आयोजन विश्वविद्यालय के समस्त विभागों में किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी, फार्मेसी, कॉमर्स, मैनेजमेंट, विज्ञान, कला, कृषि, लॉ, पैरामेडिकल, नर्सिंग, कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग एवं अनुसंधान संकाय के विभागाध्यक्षों द्वारा शिक्षार्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा कौशल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न टेक-फेस्ट गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वि.वि. के कुलपति प्रो. (डॉ०) योगेश चन्द्र दुबे, प्रशासनिक निदेशक डॉ० जे० के० मिश्रा, डीन अकादमिक डॉ० ऐमन फातिमा, कुलसचिव डॉ. दीपेश नामदेव, डीन ऑफ फैकल्टी डॉ० जितेन्द्र मलिक एवं समस्त संकायों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर नर्सिंग के विद्यार्थियों ने दी मॉडल, रंगोली प्रतियोगिता व उपकरणों के प्रदर्शन की प्रस्तुति

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दिनांक 7 अप्रैल 2025 पी० के० विश्वविद्यालय के नर्सिंग संकाय में विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा मॉडल प्रस्तुति, रंगोली प्रतियोगिता व उपकरणों के प्रदर्शन की प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर पी० के० विश्वविद्यालय के प्रशासनिक निदेशक डॉ० जे० के० मिश्रा, कुलगुरु प्रो० (डॉ०) योगेश चन्द्र दुबे, कुलसचिव डॉ० दीपेश नामदेव, डीन अकादमिक डॉ० ऐमन फातमा, डीन ऑफ फैकल्टी डॉ जितेन्द्र मलिक सहित नर्सिंग संकाय के शिक्षक-शिक्षिका व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हमारी शक्ति हमारी पृथ्वी विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

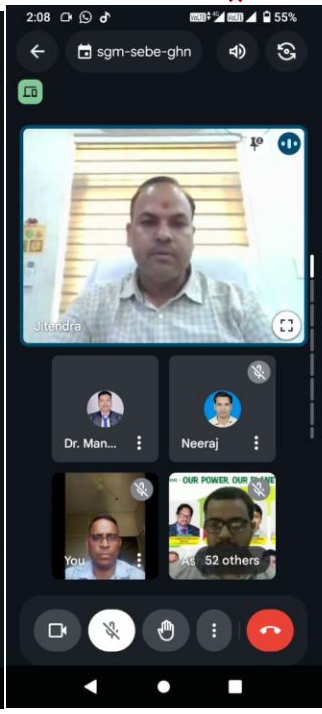

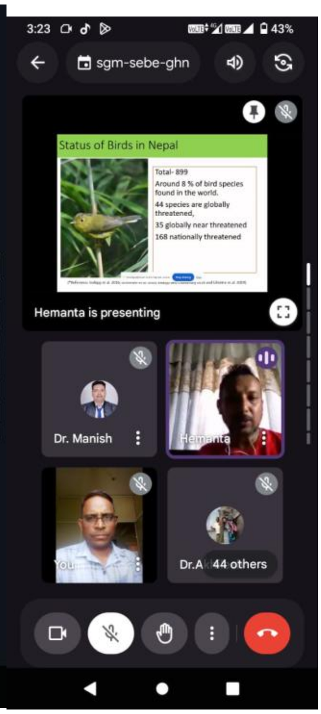

पी. के. विश्वविद्यालय, शिवपुरी-मध्य प्रदेश एवं भारतीय जैव विविधता संरक्षण सोसायटी, झांसी-उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में, दिनांक 22 अप्रैल 2025, विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में "हमारी शक्ति, हमारी पृथ्वी" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें पी० के० विश्वविद्यालय के समस्त संकायों में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

वेबिनार में मुख्य रूप से प्रोफेसर (डॉ.) मिथिलेश विश्वकर्मा (पूर्व विभागाध्यक्ष और उप निदेशक, सीडलिंग स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान), डॉ. हेमंत ढकाल (ओविएडो विश्वविद्यालय, स्पेन, सदस्य IUCN SSC गिद्ध विशेषज्ञ समूह और सचिव, पोखरा बर्ड सोसाइटी, नेपाल) तथा पी० के० विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जे.पी. शर्मा, प्रशासनिक निदेशक डॉ० जे० के० मिश्रा, कुलगुरु प्रो. (डॉ.) योगेश चन्द्र दुबे, कुलसचिव डॉ. दीपेश नामदेव, डीन अकादमिक डॉ. ऐमन फातिमा, डॉ० जितेन्द्र मलिक, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) महालक्ष्मी जौहरी, डॉ० आशीष विश्वकर्मा, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. सोनिका कुशवाहा (अध्यक्ष - IBCS, झाँसी, उ०प्र०), डॉ. अखिलेश कुमार (सचिव-IBCS, झाँसी, उ०प्र०) सहित समस्त संकायों के विभागाध्यक्ष, प्रधानाचार्य, प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक आदि उपस्थित रहे।

May - 2025

"सफलता के मंत्र" एक दिवसीय कार्यक्रम को पी० के० विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

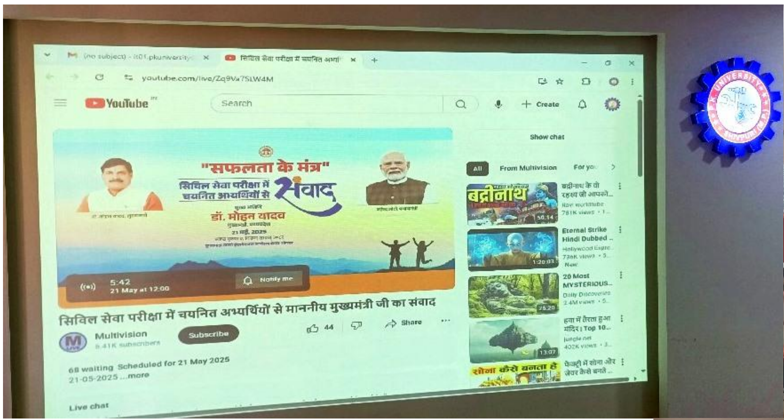

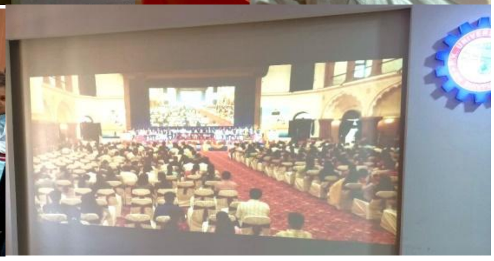

दिनांक 21 मई, 2025 को माननीय मुख्यमंत्री जी, मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य एवं माननीय मंत्री जी, उच्च शिक्षा की अध्यक्षता में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल में आयोजित "सफलता के मंत्र" एक दिवसीय कार्यक्रम को पी० के० विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचा रियों को कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाने हेतु विश्वविद्यालय प्रबन्धन द्वारा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम में कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की समुचित व्यवस्था करते हुए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत 117 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

यह कार्यक्रम उन छात्रों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए आयोजित किया गया था, जो सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, और इसमें लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2024 में मध्यप्रदेश के चयनित अभ्यर्थी शामिल हुए।

इस अवसर पर पी० के० विश्वविद्यालय के प्रशासनिक निदेशक डॉ० जे० के० मिश्रा, कुलगुरु प्रो० (डॉ०) योगेश चन्द्र दुबे, कुलसचिव डॉ० दीपेश नामदेव, डीन अकादमिक डॉ० ऐमन फातमा, डीन ऑफ फैकल्टी डॉ० जितेन्द्र मलिक, छात्र प्रकोष्ठ अधिष्ठाता प्रो० (डॉ०) महालक्ष्मी जौहरी एवं समस्त शैक्षणिक/ गैर शैक्षणिक स्टाफ सहित छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे।

<u>**June - 2025**</u>

"सहयोगात्मक भविष्य : विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना" विषय पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

पी० के० विश्वविद्यालय में दिनांक 14 जून, 2025 (शनिवार) को "सहयोगात्मक भविष्य: विचारों, संस्कृतियों और अनुशासनों को जोड़ना" विषय पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन दो सत्रों उद्घाटन एवं तकनीकी सत्रों में संपन्न हुआ। सम्मेलन का आयोजन पी.के. विश्वविद्यालय, शिवपुरी, मध्य प्रदेश के विज्ञान और वाणिज्य संकाय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के एडमिन ब्लॉक स्थित विश्वेश्वरैया ऑडिटोरियम में किया गया।

विज्ञान और वाणिज्य संकाय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन (ICCFBCD-25) का उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, पेशेवरों और छात्र-छात्राओं को विचारों, संस्कृतियों और विषयों को जोड़ने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करना है, ताकि एक बेहतर भविष्य के लिए स्थायी और समावेशी समाधान तैयार किए जा सकें।

सम्मेलन में एमपीपीयूआरसी, भोपाल (म.प्र.) के मा० अध्यक्ष भरत शरण सिंह जी, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर (छ.ग.) के मा० कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रेम प्रकाश सिंह जी एवं मुख्य वक्ता के रूप में कूपर मेडिकल स्कूल ऑफ रोवन यूनिवर्सिटी, यूएसए से वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा जी, पी० के० विश्वविद्यालय के मा० कुलाधिपति जगदीश प्रसाद शर्मा जी, कुलगुरु प्रो० (डॉ०) योगेश चंद्र दुबे जी, प्रशासनिक निदेशक डॉ० जे० के० मिश्रा जी, कुलसचिव डॉ० दीपेश नामदेव जी, डीन अकादमिक डॉ० ऐमन फातिमा जी, डीन ऑफ फैकल्टी डॉ० जितेन्द्र मलिक, प्रो० (डॉ०) महालक्ष्मी जौहरी, डॉ० भास्कर नल्ला, डॉ० आशीष विश्वकर्मा, डॉ० विवेक गुप्ता, डॉ० कौशल नरेश अमर, डॉ० प्रवीण कुमार, डॉ० मनीष कुमार, मरियम शैफाली दास, सहित समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ स्नातक/स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं, शोधार्थी, शिक्षाविद, उद्योग पेशेवर एवं विदेशी प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

Media Coverage

April – 2025

6 अप्रैल 2025 – टेक फेस्ट कार्यक्रम आयोजन।

पत्रिका

पीके विश्वविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

विद्यार्थियों का बौद्धिक स्तर बढ़ाने टेक फेस्ट का आयोजन

शिवपुरी. पीके विश्वविद्यालय में शनिवार को कुलाधिपति जेपी शर्मा के निर्देशानुसार सभी संकायों एवं विभागों द्वारा टेक फेस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवीनतम तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करना, छात्रों में नवाचार को प्रोत्साहित करना और उद्योग जगत के साथ संबंधों को मजबूत करना रहा। टेक फेस्ट में विश्वविद्यालय के सभी विभागों से सैंकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग किया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विवि के प्रशासनिक निदेशक डॉ जेके मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो योगेश चन्द्र दुबे, कुलसचिव डॉ दीपेश नामदेव, डीन अकादमिक डॉ ऐमन फातमा, डीन अकादमिक डॉ जितेन्द्र मलिक द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

डॉ जेके मिश्रा ने कहा टेक फेस्ट विद्यार्थियों के लिए खोज करने, सीखने और आगे बढ़ने का मंच है। सीखने के बिना प्रतिस्पर्धा करने और सफल होने की आपकी भावना निरर्थक है। उन्होंने नवोदित छात्रों को प्रौद्योगिकी के उत्थान का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे खुद को बुद्धिमत्ता के नए युग के लिए तैयार कर सकें। विभागाध्यक्ष नीता सिंह के नेतृत्व में नर्सिंग विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा मॉडल प्रस्तुति, रंगोली प्रतियोगिता व उपकरण का प्रदर्शन तथा कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग संकाय से विभागाध्यक्ष आशीष प्रताप सिंह के नेतृत्व में कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रस्तुति, निबंध लेखन गतिविधियों पर प्रस्तुति दी। अंत में कृषि संकाय के विद्यार्थियों को प्रथम, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग संकाय के विद्यार्थियों को द्वितीय, कला, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबन्धन, फार्मेसी व विधि संकाय के विद्यार्थियों को तृतीय तथा अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग संकाय के विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

06/04/2025 | Shivpuri | Page : 11
Source : https://epaper.patrika.com/

19 अप्रैल 2025 – सम सेमेस्टर मुख्य परीक्षा कार्यक्रम घोषित।

P.K. UNIVERSITY
SHIVPURI (M.P.)

media coverage

19 APRIL 2025

पीके विश्वविद्यालय में 5 मई से 6 जून तक होंगी परीक्षा

शिवपुरी. पीके विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र के मानदण्डों के अनुरूप सम सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, ये परीक्षा 5 मई से 6 जून तक संचालित की जाएंगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि विभिन्न संकायों की परीक्षाओं के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार प्रथम चरण में कृषि विज्ञान विभाग की परीक्षा 5 मई से 14 मई, द्वितीय चरण में यांत्रिकी विभाग की परीक्षा 16 मई से 22 मई, तृतीय चरण में यांत्रिकी (प्रमाणीकरण) एवं विधि विभाग की परीक्षा 21 मई से 26 मई, चतुर्थ चरण में कला, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंध एवं भेषजी (फार्मेसी) विभाग की परीक्षा 27 मई से 6 जून तक होंगी। विस्तृत विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

पत्रिका

1800-8900-478 | www.pkuniversity.edu.in | info@pkuniversity.edu.in

May – 2025

15 Feb – शोधार्थी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

शोधार्थी को दी पीएचडी की उपाधि

शिवपुरी @पत्रिका. पीके विश्वविद्यालय ने शोधार्थी छात्र अनुराग यादव को रसायन विज्ञान विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। शोधार्थी अनुराग ने अपना शोध कार्य प्रो ए विनय चंद्रा के निर्देशन में टू द स्टडीज ऑन पॉल्यूशन ऑफ अंडर ग्राउंड वाटर मऊ सिटी विषय पर पूरा किया। यादव को पीएचडी की उपाधि मिलने पर विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों व परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

June – 2025

15 जून 2025 – द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित।

पीके विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

जासं, मथुरा: पीके विश्वविद्यालय शिवपुरी में शनिवार को सहयोगात्मक भविष्य : विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना विषय पर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन विज्ञान और वाणिज्य संकाय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वेश्वरैया आडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसमें देश-विदेश से शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, छात्रों व उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि एमपीपीयूआरसी अध्यक्ष भरत शरण सिंह, विशिष्ट अतिथि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) प्रेम प्रकाश सिंह और मुख्य वक्ता अमेरिका के वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा रहे। कुलाधिपति जगदीश प्रसाद शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन विचारों और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच है। प्रशासनिक निदेशक डा. जेके मिश्रा ने वैश्वीकरण और शोध की भूमिका पर जोर दिया। कुलपति प्रो. (डा.) योगेश चंद्र दुबे ने वैदिक ज्ञान और संस्कृत को मानव संस्कृति की

शिवपुरी स्थित पीके विश्वविद्यालय में सहयोगात्मक भविष्य पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौजूद पीके विवि के कुलाधिपति जेपी शर्मा (बाएं से तीसरे) ●सौ. से पीके विवि

धरोहर बताया। तकनीकी सत्र में वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा ने चूहों के मस्तिष्क पर तापमान के प्रभाव पर आधारित शोध प्रस्तुत किया। शोधार्थियों ने अपने-अपने पेपर प्रस्तुत किए। संचालन मरियम शैफाली दास ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. महालक्ष्मी जौहरी ने दिया। सम्मेलन में डीन अकादमिक डा. ऐमन फातिमा, डा. विवेक गुप्ता, डा. जितेंद्र मलिक, डा. दीपेश नामदेव, डा. जितेंद्र मलिक, डा. आशीष विश्वकर्मा, डा. कौशल नरेश अमर, डा. प्रवीण कुमार, डा. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विदेशी प्रतिनिधि व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दैनिक पालिग्राफ | कन्नौज, रविवार १५ जून २०२५ | झांसी/कन्नौज | 3

पी. के. विश्वविद्यालय में 'सहयोगात्मक भविष्य : विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना' विषय पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

यह सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाने और सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से विचारों, संस्कृतियों और अनुशासन के बीच सेतु बनाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा : जगदीश प्रसाद शर्मा

शोध और विकास के क्षेत्र में वैश्वीकरण का बड़ा महत्व है : डॉ० जे० के० मिश्रा

विश्व कल्याण के लिए वैदिक शिक्षा अति आवश्यक : प्रो० (डॉ०) योगेश चन्द्र दुबे

विश्वविद्यालयों में शोध और विकास केन्द्रों की स्थापना आवश्यक : प्रो. (डॉ.) प्रेम प्रकाश सिंह

शुभम श्रीवास्तव

पीके विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, विशेषज्ञों ने लिया भाग

जासं, मथुरा: पीके विश्वविद्यालय शिवपुरी में शनिवार को सहयोगात्मक भविष्य : विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना विषय पर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन विज्ञान और वाणिज्य संकाय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वेश्वरैया आडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसमें देश-विदेश से शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, छात्रों व उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि एमपीपीयूआरसी

मध्यप्रदेश के शिवपुरी स्थित पीके विश्वविद्यालय में सहयोगात्मक भविष्य पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौजूद पीके विवि के कुलाधिपति जेपी शर्मा (बाएं से तीसरे) ● सौजन्य से पीके विवि

अध्यक्ष भरत शरण सिंह, विशिष्ट अतिथि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) प्रेम प्रकाश सिंह और मुख्य वक्ता अमेरिका के वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा रहे। कुलाधिपति जगदीश प्रसाद शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन विचारों और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच है। प्रशासनिक निदेशक डा. जेके मिश्रा ने वैश्वीकरण और शोध की भूमिका पर जोर दिया। कुलपति प्रो. (डा.) योगेश चंद्र दुबे ने वैदिक ज्ञान और संस्कृत को मानव संस्कृति की धरोहर बताया। तकनीकी सत्र में वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा ने चूहों के मस्तिष्क पर तापमान के प्रभाव पर आधारित शोध प्रस्तुत किया। शोधार्थियों ने अपने-अपने पेपर प्रस्तुत किए। संचालन मरियम शैफाली दास ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. महालक्ष्मी जौहरी ने दिया। सम्मेलन में डीन अकादमिक डा. ऐमन फातिमा, डा. विवेक गुप्ता, डा. जितेंद्र मलिक, डा. दीपेश नामदेव, डा. जितेंद्र मलिक, डा. आशीष विश्वकर्मा, डा. कौशल नरेश अमर, डा. प्रवीण कुमार, डा. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विदेशी प्रतिनिधि व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

****

शिवपुरी के पीके विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

मध्यप्रदेश के शिवपुरी स्थित पीके विश्वविद्यालय में सहयोगात्मक भविष्य पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौजूद पीके विवि के कुलाधिपति जेपी शर्मा (बाएं से तीसरे) • सौजन्य पीके विवि

जासं, मथुरा: पीके विश्वविद्यालय शिवपुरी में शनिवार को सहयोगात्मक भविष्य : विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना विषय पर द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन विज्ञान और वाणिज्य संकाय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वेश्वरैया आडिटोरियम में आयोजित किया गया। इसमें देश-विदेश से शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, छात्रों व उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि एमपीपीयूआरसी अध्यक्ष भरत शरण सिंह, विशिष्ट अतिथि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डा.) प्रेम प्रकाश सिंह और मुख्य वक्ता अमेरिका के वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा रहे। कुलाधिपति जगदीश प्रसाद शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन विचारों और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच है। प्रशासनिक निदेशक डा. जेके मिश्रा ने वैश्वीकरण और शोध की भूमिका पर जोर दिया। कुलपति प्रो. (डा.) योगेश चंद्र दुबे ने वैदिक ज्ञान और संस्कृत को मानव संस्कृति की धरोहर बताया। तकनीकी सत्र में वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा ने चूहों के मस्तिष्क पर तापमान के प्रभाव पर आधारित शोध प्रस्तुत किया। शोधार्थियों ने अपने-अपने पेपर प्रस्तुत किए। संचालन मरियम शैफाली दास ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. महालक्ष्मी जौहरी ने दिया।

सम्मेलन में डीन अकादमिक डा. ऐमन फातिमा, डा. विवेक गुप्ता, डा. जितेंद्र मलिक, डा. दीपेश नामदेव, डा. जितेंद्र मलिक, डा. आशीष विश्वकर्मा, डा. कौशल नरेश अमर, डा. प्रवीण कुमार, डा. मनीष कुमार सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी, विदेशी प्रतिनिधि व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

झांसी : सम्मेलन में उपस्थित अतिथि।

शिक्षण संस्थाओं के वैश्वीकरण समय की माँग

जागरण एजुकेशन पॉइण्ट

- पीके विश्वविद्यालय में आज 'सहयोगात्मक भविष्य : विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

झाँसी : पीके विश्वविद्यालय मे 'सहयोगात्मक भविष्य : विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना' विषय पर दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विज्ञान व वाणिज्य संकाय के तत्वावधान मे आयोजित सम्मेलन के मुख्य अतिथि एमपीपीयूआरसी, भोपाल के अध्यक्ष भरत शरण सिंह रहे। सम्मेलन विशिष्ट अतिथि सन्त गहिरा गुरु विवि अम्बिकापुर के कुलपति प्रो. प्रेम प्रकाश सिंह ने कहा कि रिसर्च व डिवेलपमेण्ट सेण्टर की स्थापना से शोध के क्षेत्र मे एक नयी दिशा मिलेगा। मुख्य वक्ता कूपर मेडिकल स्कूल ऑफ रोवन यूनिवर्सिटि यूएसए के वैज्ञानिक लाल चन्द्र विश्वकर्मा ने चूहो के मष्तिस्क पर निम्न व उच्च तापमान के प्रभाव पर किए गए शोध पर विस्तार से चर्चा की।

सम्मेलन मे मुख्य संरक्षक पीके विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जगदीश प्रसाद शर्मा ने कहा कि सम्मेलन से विचारो, संस्कृतियो व अनुशासन के बीच सेतु बनाने के लिए कार्य करेगा। संरक्षक विवि के कुलगुरु प्रो. योगेश चन्द्र दुबे ने कहा कि शिक्षण संस्थाओ के वैश्वीकरण समय की माँग है। देश की प्राचीन चिकित्सा पद्धति वास्तुशास्त्र व ज्योतिषशास्त्र को विश्व के सामने लाना जरूरी है। प्रशासनिक निदेशक डॉ. जेके मिश्रा ने कहा कि शोध और विकास के क्षेत्र मे वैश्वीकरण का बड़ा महत्व है। सम्मेलन को कुलसचिव डॉ. दीपेश नामदेव, डीन अकादमिक डॉ. ऐमन फातिमा आदि ने सम्बोधित किया। नर्सिंग संकाय की शिक्षिका मरियम शैफाली दास ने संचालन तथा कला संकाय डीन व छात्र प्रकोष्ट अधिष्ठाता प्रो. महालक्ष्मी जौहरी ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के डीन ऑफ फैकल्टि डॉ. जितेन्द्र मलिक, डॉ. आशीष विश्वकर्मा, डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. कौशल नरेश अमर, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. मनीष कुमार आदि उपस्थित रहे।

पत्रिका

पीके विश्वविद्यालय में आयोजन

विचार, संस्कृति और अनुशासन पर हुआ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथिगण।

शिवपुरी@पत्रिका. पीके विश्वविद्यालय में शनिवार को विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना विषय पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के विज्ञान और वाणिज्य संकाय के संयुक्त तत्वावधान मे विश्वविद्यालय के एडमिन ब्लॉक स्थित विश्वेश्वरैया ऑडिटोरियम में किया गया । सम्मेलन में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों, शोध विद्वानों, शिक्षाविदों, उद्योग पेशेवरों और विदेशी प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया । विज्ञान और वाणिज्य संकाय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, पेशेवरों और छात्र-छात्राओं को विचारों, संस्कृतियों और विषयों को जोड़ने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करना है, ताकि एक बेहतर भविष्य के लिए स्थाई और समावेशी समाधान तैयार किए जा सके।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में एमपीपीयूआरसी के अध्यक्ष भरत शरण सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर के कुलपति प्रो प्रेम प्रकाश सिंह एवं मुख्य वक्ता के रूप में कूपर मेडिकल स्कूल ऑफ रोवन यूनिवर्सिटी, यूएसए से वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा उपस्थित रहे । साथ ही, मुख्य संरक्षक के रूप में पीके विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जगदीश प्रसाद शर्मा, संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो योगेश चंद्र दुबे, विश्वविद्यालय के प्रशासनिक निदेशक डॉ जेके मिश्रा, कुलसचिव डॉ दीपेश नामदेव तथा डीन अकादमिक डॉ ऐमन फातिमा आदि उपस्थित रहे ।

तत्पश्चात सम्मलेन के मुख्य संरक्षक एवं पीके विश्वविद्यालय कुलाधिपति जगदीश प्रसाद शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाने और सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से विचारों, संस्कृतियों और अनुशासन के बीच सेतु बनाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन मे विश्वविद्यालय के डीन ऑफ फैकल्टी डॉ जितेन्द्र मलिक, डॉ आशीष विश्वकर्मा, डॉ विवेक गुप्ता, डॉ कौशल नरेश अमर, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ मनीष कुमार सहित सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ के साथ स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं, शोधार्थी, शिक्षाविद, उद्योग पेशेवर एवं विदेशी प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

15/06/2025 | Shivpuri | Page : 12
Source : https://epaper.patrika.com/

दैनिक भास्कर **शिवपुरी भास्कर 15-06-2025**

पीके विश्वविद्यालय में 'सहयोगात्मक भविष्य' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

कार्यक्रम में शामिल अतिथि एवं विश्वविद्यालय प्रबंधन।

शिवपुरी| पीके विश्वविद्यालय में 14 जून को 'सहयोगात्मक भविष्य: विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना' विषय पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन विश्वविद्यालय के विज्ञान और वाणिज्य संकाय के संयुक्त तत्वावधान में हुआ, जिसमें शोधकर्ता, शिक्षाविद, छात्र और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य संरक्षक जगदीश प्रसाद शर्मा, कुलगुरु प्रो. (डॉ.) योगेश चंद्र दुबे, प्रशासनिक निदेशक डॉ. जेके मिश्रा ने किया। सम्मेलन में एमपीपीयूआरसी के अध्यक्ष भरत शरण सिंह, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रेम प्रकाश सिंह, और कूपर मेडिकल स्कूल, यूएसए के वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा ने भी सहभागिता की। मुख्य विषय 'वैश्वीकरण, शोध और विकास' पर विचार करते हुए डॉ. जेके मिश्रा ने बताया कि वैश्विक संदर्भ में शोध और विकास का महत्व बढ़ रहा है। प्रो. (डॉ.) योगेश चंद्र दुबे ने भारत की प्राचीन चिकित्सा और वेदों को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने की आवश्यकता जताई। सम्मेलन का समापन सामूहिक राष्ट्रगान से हुआ और इसके बाद तकनीकी सत्र में विभिन्न शोधपत्रों की प्रस्तुति हुई।

शोध और विकास के क्षेत्र में वैश्वीकरण का बड़ा महत्व

झांसी (वि.)। पीके विश्वविद्यालय, शिवपुरी में सहयोगात्मक भविष्य : विचार, संस्कृति और अनुशासन को जोड़ना विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में स्नातक, परास्नातक छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षाविदों, उद्योग पेशेवरों और विदेशी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि एमपीपीयूआरसी भोपाल के अध्यक्ष भरत शरण सिंह, विशिष्ट अतिथि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ के कुलपति डॉ. प्रेमप्रकाश सिंह, मुख्य वक्ता कूपर मेडिकल स्कूल ऑफ रोवन यूनिवर्सिटी यूएसए के वैज्ञानिक लाल चंद्र विश्वकर्मा रहे। मुख्य संरक्षक और पीके विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जगदीश प्रसाद शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाने का मंच है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक निदेशक डॉ. जेके मिश्रा ने कहा कि शोध और विकास के क्षेत्र में वैश्वीकरण का बड़ा महत्व है। कुलपति प्रो. योगेश चंद्र दुबे ने कहा कि आज के युग में संकीर्ण मानसिकता के साथ हम अपने विचार, राष्ट्रीय विमर्श और शिक्षा व्यवस्था को विश्व के सामने प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं। डीन एकेडमिक डॉ. ऐमन फातमा, कला संकाय की डीन प्रो. महालक्ष्मी जौहरी, डॉ. जितेंद्र मलिक, डॉ. आशीष विश्वकर्मा, डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. कौशल नरेश असर, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. मनीष कुमार, मरियल शेफाली दास मौजूद रहे।